कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया

प्रसार निदेशालय

(चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्यौगिक विश्वविद्यालय-कानपुर)

ई-समाचार-पत्रिका

अंक-1 | जुलाई, 2022

कुलपति

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्यौगिक विश्वविद्यालय-कानपुर

संदेश

आजादी का अमृत महोत्सव भारत सरकार की एक पहल है जो प्रगतिशील भारत के 75 साल की उपलब्धियों, संस्कृति और गौरवशाली इतिहास को मनाने के लिए है। यह महोत्सव भारत के नागरिकों, कृषको, उद्यमियों, सैनिकों, वैज्ञानिकों, इत्यादि को समर्पित है, जिन्होंने न केवल भारत को आत्मनिर्भर एवं विकासवादी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है अपितु एक विकसित राष्ट्र की संज्ञा भी दिलायी है। विश्वविधालय निरन्तर शिक्षा, शोध एवं प्रसार के माध्यम से नवीन कृषि तकनीकी एवं प्रजातियों के विकास तथा उनका प्रचार-प्रसार कर फसलों की उत्पादकता तथा किसानों की आय दोगुना करने में सफल हो रहा है वहीं विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर नया इतिहास रच रहे है। हर्ष का विषय है कि कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया(उ.प्र.), प्रसार निदेशालय, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय आजादी का अमृत महोत्सव की श्रंखला में जुलाई, 2022 में आयोजित कराये गये विभिन्न कार्यक्रमों की उपलब्धियाँ संकलन "ई-समाचार पत्र" के रूप में कर रहा है जिसका प्रकाशन 75वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर किया जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह ई-समाचार पत्र प्रसार वैज्ञानिकों एवं कृषक बन्धुओं के लिए प्रेरणास्रोत के रूप में उपयोगी सिद्ध होगी।

(डी0आर0 सिंह)
कुलपति

निदेशक प्रसार/समन्वयक
प्रसार निदेशालय
चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवंप्रौद्यौगिक
विश्वविद्यालय-कानपुर

संदेश

वर्तमान समय में कृषि उत्पादन लागत को कम करने एवं गुणवत्तायुक्त अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु यह आवश्यक है कि कृषकों तक नवीनतम कृषि अनुसंधान एवं कृषि तकनीकियों को पहुँचाया जाए। कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया इन नवीनतम तकनीकियों को निरंतर कृषकों तक पहँचाने में तत्पर हैं जिससे कृषकों का आर्थिक एवं सामाजिक स्तर सुधारा जा सके।

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया द्वारा प्रकाशित मासिक न्यूज लैटर का यह अंक केन्द्र द्वारा किए गए एवं किए जाने वाले कार्यों के साथ-साथ नवीनतम कृषि तकनीकियों का प्रसार गांव-गांव एवं घर-घर पहुँचेगा, जो सभी वर्ग के किसानों के लिए लाभप्रद होगा।

(डॉ अरविन्द कुमार सिंह)
निदेशक प्रसार/समन्वयक

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया

प्रसार निदेशालय

(चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय-कानपुर)

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया
एक नजर में

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया की स्थापना वर्ष 2007 में की गई थी एवं दिनांक 03 फरवरी, 2022 से चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्यौगिकी विश्वविद्यालय-कानपुर के अन्तर्गत संचालित है। इस केन्द्र के पास 20.693 है॰ भूमि है। जिसके अंतर्गत मुख्य रूप से बीजोत्पादन, केंचुआ खाद इकाई, बकरी पालन प्रदर्शन इकाई, मछली पालन, मुर्गी पालन, नर्सरी उत्पादन, पोषण वाटिका, नाडेप, मधुमक्खी पालन एवं मधु प्रसंस्करण इकाई, खादय प्रसंस्करण इकाई, चारा कैफेटेरिया, फसल कैफ्टेरिया इकाईयों के साथ-साथ प्रशासनिक भवन एवं किसान भवन ग्राम-गुवारी, विकासखण्ड-अछल्दा, जनपद-औरैया में स्थापित करना प्रस्तावित है। वर्तमान में कृषि विज्ञान केन्द्र, गुवारी, औरैया का संचालन विकासखण्ड-अछल्दा के परिसर से संचालित किया जा रहा है। कृषि विज्ञान केन्द्र, गुवारी, औरैया जनपद मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूरी अछल्दा विकासखण्ड के ग्राम-गुवारी में अछल्दा- बिधूना मार्ग पर स्थापित है। जनपद औरैया का भौगौलिक क्षेत्रफल 2054 वर्ग कि॰मी॰ है। जिसमें 3 तहसील (औरैया, बिधूना, अजीतमल) एवं 7 वि॰ख॰ (भाग्यनगर, औरैया, अजीतमल, बिधूना, एरवाकटरा, अछल्दा एवं सहार) है। जनपद की मुख्य फसलोत्पादन पद्यति गेहूँ एवं धान हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया द्वारा जुलाई, 2022 में किये गये कार्य

1. प्रक्षेत्र परीक्षण

फसल/उद्यम का शीर्षक	परीक्षण की सं.	लाभार्थियों की संख्या
कुपोषण निवारण हेतु बायोफोर्टिफाइड गेहूँ की प्रजाति करन वन्दना (डी.बी.डब्लू 187) का मूल्यांकन	05	05

2. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

फसल/उद्यम का शीर्षक	क्षेत्रफल हे. /न०	लाभार्थियों की संख्या
पोषण वाटिका	30	30
दुधारू पशुओं के दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु खनिज मिश्रण एवं अन्त:परिजीवी नाशकों का प्रयोग	20	20

3. प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक	शीर्षक	स्थान	लाभार्थियों की संख्या
कृषक एवं कृषक महिलाओं हेतु प्रशिक्षण			
07/07/2022	धान की नर्सरी प्रबंधन	बहादुरपुर, भाग्यनगर	22
13/07/2022	तिल की फसल में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन तकनीक	मिरगवाँ, अछल्दा	25
19/07/2022	खरीफ सब्जियों में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन तकनीक	दशरौरा, भाग्यनगर	25
22/07/2022	मूँग की फसल में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन तकनीक	नयापुर्वा, भाग्यनगर	25
26/07/2022	बरसात में बकरी एवं भेड़ का प्रबंधन	घाँघरपुर, अछल्दा	20
30/07/2022	मक्का की फसल में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन तकनीक	मुढ़ी, भाग्यनगर	20
प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम			
12/07/2022	स्थानीय उपलब्ध हरी पत्तेदार सब्जियों द्वारा पोषण सुरक्षा	के.वी.के.	30
14/07/2022	बच्चों हेतु स्थानीय उपलब्ध अनाजों द्वारा पोषक उत्पाद तैयार करना	के.वी.के.	27
16/07/2022	बच्चों हेतु उच्च पोषक खाद्य तैयार करना	के.वी.के.	32
18/07/2022	रक्ताल्पता से बचाव के उपाय	के.वी.के.	30

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया द्वारा जुलाई, 2022 में किये गये कार्य

3. प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक	शीर्षक	स्थान	लाभार्थियों की संख्या
प्राकृतिक खेती के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम			
11/07/2022	प्रकृतिक विधि से धान की खेती	मकरा, बिधूना	24
14/07/2022	प्रकृतिक विधि से धान की खेती	खलरा, अछल्दा	30
21/07/2022	प्रकृतिक खेती (प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम)	भाग्यनगर	45
23/07/2022	प्रकृतिक विधि से खरीफ प्याज की खेती	मकरा, अछल्दा	27

4. प्रसार गतिविधियां

शीर्षक गतिविधियां	संख्या	लाभार्थियों की संख्या
वैज्ञानिकों का कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण	28	55
कृषकों का कृषि विज्ञान केन्द्र पर भ्रमण	24	24
मोबाइल सलाह	63	63
समाचार पत्र प्रकाशन	33	-
अन्य कार्यक्रम	04	61
एम. किसान पोर्टल पर संदेश	04	125000
पशुचिकित्सा शिविर	01	76
किसान गोष्ठी	03	442
भा.कृ.अनु.प.-नई दिल्ली के 94वें स्थापना दिवस के अवसर पर सीधा प्रसारण	01	252

5. समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

क्र.सं.	फसल का नाम	प्रजाति	क्षेत्रफल (हे.)	लाभार्थियों की सं.
1	तिल	जी.टी.-06	20.0	50
2	अरहर	आई.पी.ए.-203	10.0	25
3	मूँग	शिखा	10.0	25
4	उर्द	प्रताप उर्द-1	10.0	25

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया द्वारा अगस्त, 2022 में किये जाने वाले कार्य

1. प्रक्षेत्र परीक्षण

फसल/उद्यम का शीर्षक	परीक्षण की सं.	लाभार्थियों की संख्या
लोबिया की अधिक उपज वाली प्रजाति का मूल्यांक	05	05

2. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

फसल/उद्यम का शीर्षक	क्षेत्रफल हे. /न०	लाभार्थियों की संख्या
पोषण वाटिका	30	30
दुधारू पशुओं के दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु खनिज मिश्रण एवं अन्त:परिजीवी नाशकों का प्रयोग	20	20
लोबिया (अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन)	1.0	10

3. प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रशिक्षण की संख्या	लाभार्थियों की संख्या
कृषक एवं कृषकों महिलाओं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	05	100
नवनवयुवतियों हेतु रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम	01	25
प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	03	75
प्राकृतिक खेती आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम	03	60
स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम	02	40

4. प्रसार गतिविधियां

शीर्षक गतिविधियां	संख्या	लाभार्थियों की संख्या
वैज्ञानिकों का कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण	20	60
कृषकों का कृषि विज्ञान केन्द्र पर भ्रमण	50	50
मोबाइल सलाह	50	50
समाचार पत्र प्रकाशन	20	-
अन्य कार्यक्रम	07	700
एम. किसान पोर्टल पर संदेश	04	125000
किसान गोष्ठी	02	100

5. समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

क्र.सं.	फसल का नाम	प्रजाति	क्षेत्रफल (हे.)	लाभार्थियों की सं.
1	तिल	जी.टी.-06	20.0	50
2	अरहर	आई.पी.ए.-203	10.0	25
3	मूँग	शिखा	10.0	25
4	उर्द	प्रताप उर्द-1	10.0	25

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया द्वारा अगस्त, 2022 में किये जाने वाले कार्य का विवरण

प्रक्षेत्र परीक्षण

ग्राम-मिरगवाँ विकासखण्ड अछल्दा में कुपोषण निवारण हेतु गेहूँ की बायोफोर्टिफाइड प्रजाति करन-वन्दना का मूल्यांकन 4-6 साल तक के 05 बच्चों में किया जा रहा है।

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

दिनांक 4 अगस्त 2022 को कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वारी विकासखंड अछल्दा, जनपद औरैया द्वारा विकासखंड- अछल्दा में ग्रामीण महिलाओं को पोषण वाटिका स्थापना हेतु अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम के अन्तर्गत 12 प्रकार की सब्जियों का बीज 30 महिलाओं को वितरित किया गया।

दुधारू पशुओं के दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु खनिज मिश्रण एवं अन्तःपरिजीवी नाशकों का प्रयोग विषय पर ग्राम-मिरगवाँ विकासखण्ड-अछल्दा में 20 पशुपालकों के 20 दुधारू पशुओं में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन किया जा रहा है।

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 07/07/2022 को धान की नर्सरी प्रबंधन विषय पर ग्राम-बहादुरपुर, विकासखण्ड-भाग्यनगर में 22 किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया द्वारा अगस्त, 2022 में किये जाने वाले कार्य का विवरण

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

- दिनांक 13/07/2022 को तिल की फसल में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन तकनीक विषय पर ग्राम-मिरगवाँ, विकासखण्ड-अछल्दा में 25 किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- दिनांक 19/07/2022 को खरीफ सब्जियों की फसल में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन तकनीक विषय पर ग्राम-दशरौरा, विकासखण्ड-भाग्यनगर में 25 किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- दिनांक 22/07/2022 को मूँग की फसल में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन तकनीक विषय पर ग्राम-नयापुर्वा, विकासखण्ड-भाग्यनगर में 25 किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- दिनांक 26/07/2022 को बरसात में बकरी एवं भेड़ का प्रबंधन विषय पर ग्राम-घाँघरपुर, विकासखण्ड-अछल्दा में 20 किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- दिनांक 30/07/2022 को मक्का की फसल में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन तकनीक विषय पर ग्राम-मुड़ी, विकासखण्ड-भाग्यनगर में 20 किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया द्वारा अगस्त, 2022 में किये जाने वाले कार्य का विवरण

प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

- दिनांक 12/07/2022 को स्थानीय उपलब्ध हरी पत्तेदार सब्जियों द्वारा पोषण सुरक्षा विषय पर कृषि विज्ञान केन्द्र, अछल्दा में 30 प्रसार कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- दिनांक 14/07/2022 को बच्चों हेतु स्थानीय उपलब्ध अनाजों द्वारा पोषक उत्पाद तैयार करना विषय पर कृषि विज्ञान केन्द्र, अछल्दा में 27 प्रसार कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- दिनांक 16/07/2022 को बच्चों हेतु स्थानीय उपलब्ध अनाजों द्वारा पोषक उत्पाद तैयार करना विषय पर कृषि विज्ञान केन्द्र, अछल्दा में 32 प्रसार कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- दिनांक 18/07/2022 को रक्ताल्पता से बचाव के उपाय विषय पर कृषि विज्ञान केन्द्र, अछल्दा में 30 प्रसार कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्राकृतिक खेती के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम

- दिनांक 11/07/2022 को प्राकृतिक विधि से धान की खेती विषय पर ग्राम-मकरा विकासखण्ड-बिधूना में 24 किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- दिनांक 14/07/2022 को प्राकृतिक विधि से धान की खेती विषय पर ग्राम-खलरा विकासखण्ड-अछल्दा में 30 किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया द्वारा अगस्त, 2022 में किये जाने वाले कार्य का विवरण

प्राकृतिक खेती के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम

❖ दिनांक 11/07/2022 को दिनांक 21/07/2022 को प्राकृतिक खेती विषय पर किसान कल्यान केन्द्र, सभागार भाग्यनगर में 45 प्रसार कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

❖ दिनांक 23/07/2022 को प्राकृतिक विधि से खरीफ प्याज की खेती विषय पर ग्राम-मकरा विकासखण्ड-अछल्दा में 27 किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

❖ दिनांक 14 जुलाई 2022 को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वारी, औरैया द्वारा समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अंतर्गत तिल की GT 06 प्रजाति का प्रदर्शन अछल्दा विकास खंड के मिरगावा एवं कुँवरपुर ग्राम के 50 किसानों के 10 हे. प्रक्षेत्र पर कराया जिसमे बीज का वितरण किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया द्वारा अगस्त, 2022 में किये जाने वाले कार्य का विवरण

समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

दिनांक 21 जुलाई 2022 को चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौधोगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वारी, औरैया द्वारा समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अंतर्गत अरहर की आई. पी. ए .-203 प्रजाति का प्रदर्शन अछल्दा विकास खंड के घांघर पुर, मानिकपुर, पूरनपुर ग्राम के 25 किसानों के 25 एकड़ प्रक्षेत्र पर कराया जिसमे बीज का वितरण किया गया

❖दिनांक 22 जुलाई, 2022 को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वारी, औरैया द्वारा समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अंतर्गत मूंग की शिखा प्रजाति का प्रदर्शन भाग्यनगर विकास खंड के नया पूर्वा ग्राम के 25 किसानों के 25 एकड़ प्रक्षेत्र पर कराया जिसके अंतर्गत किसानों को बीज का वितरण किया गया।

दिनांक 29 जुलाई, 2022 को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वारी, औरैया द्वारा समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अंतर्गत उर्द की प्रताप उर्द-1 प्रजाति का प्रदर्शन भाग्यनगर विकास खंड के देवरपुर ग्राम के 25 किसानों के 25 एकड़ प्रक्षेत्र पर कराया जिसके अंतर्गत किसानों को बीज का वितरण किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया द्वारा अगस्त, 2022 में किये जाने वाले कार्य का विवरण

प्रसार गतिविधियां

जुलाई, 2022 माह में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वारी, औरैया के वैज्ञानिकों द्वारा कुल 28 भ्रमण किए गए जिसमें 55 किसानों की समस्याओं का समाधान सफलतापूर्वक किया गया।

जुलाई, 2022 माह में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वारी, औरैया के पशुपालन वैज्ञानिक द्वारा पशुपालन विभाग, औरैया के सहयोग से ग्राम-खुमानपुर, विकासखण्ड-अछल्दा में पशुचिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 76 पशुपालकों के 121 पशुओं का उपचार किया गया एवं अन्तः परिजीवी नाशक का सेवन कराया साथ ही 247 पशुओं को गलाघोंटू बीमारी की रोकथाम हेतु टीकाकरण किया गया।

जुलाई, 2022 माह में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वारी, औरैया के वैज्ञानिकों द्वारा तीन किसान गोष्ठियों का आयोजन किया गया जिसमें 442 कृषकों ने प्रतिभाग किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया द्वारा अगस्त, 2022 में किये जाने वाले कार्य का विवरण

प्रसार गतिविधियां

दिनांक 15 जुलाई, 2022 को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वारी, औरैया के वैज्ञानिकों द्वारा भा.कृ.अनु.प.-नई दिल्ली के 94 वें स्थापना दिवस के अवसर पर ग्राम-गपचरियापुर विकासखण्ड-बिधूना में माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्यान मंत्री भारत सरकार के ब्याख्यान एवं स्थापना समारोह का सजीव प्रसारण एवं किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें 252 कृषकों एवं कृषक महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

अगस्त माह के मुख्य खेती-बाड़ी के कार्य

फसल - धान

❖धान की देर से पकने वाली प्रजातियों की रोपाई अब न करें।

❖जैविक उर्वरक एवं रासायनिक उर्वरक धान की फसल में मृदा स्वास्थ्य के अनुशंसा के अनुसार ही प्रयोग करें।

❖धान की रोपाई 20-30 दिन बाद अधिक उपज वाली प्रजातियों में प्रति हे. 30 कि.ग्रा. नाइट्रोजन (66 कि.ग्रा.यूरिया) तथा सुगन्धित प्रजातियों में प्रति हे. 25 कि.ग्रा. नाइट्रोजन (55 कि.ग्रा.यूरिया) की टाप ड्रेसिंग कर दें।

❖नाइट्रोजन की इतनी ही मात्रा की दूसरी व अंतिम टाप ड्रेसिंग रोपाई के 50-55 दिन बाद करनी चाहिए।

❖धान की फसल से अधिक उपज के लिए खेत में हमेशा पानी भरा रहना आवश्यक नहीं है। वर्षा न होने की स्थिति में 6-7 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई करें।

❖धान की फसल में बची हुई यूरिया की मात्रा समय-समय पर डालते रहें।

धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण-

❖2,4-डी. 500-750 ग्राम/हे. रोपाई के 20-25 दिन बाद चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार के लिए

❖बिस्पायरीबैक सोडियम 80-100 मिली. 10% ई.सी./एकड़ में सकरी पत्ती के लिए प्रयोग करें।

अगस्त माह के मुख्य खेती-बाड़ी के कार्य

फसल - मक्का

❖मक्का की फसल पुष्पा अवस्था में है और यदि 10 दिन के अन्दर अंतिम यूरिया का प्रयोग नहीं किया है तो यूरिया की अंतिम मात्रा 30 किग्रा. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

❖मक्का में नाइट्रोजन प्रति हे. 40 कि.ग्रा.(88 कि.ग्रा.यूरिया) की दूसरी व अन्तिम टाप ड्रेसिंग बोआई के 40-50 दिन बाद, नरमंजरी निकलते समय करनी चाहिए। ध्यान रहे कि खेत में उर्वरक प्रयोग करते समय पर्याप्त नमी हो।

❖फसल में नरमंजरी व सिल्क बनते समय नमी की कमी नहीं होनी चाहिए अन्यथा उपज में 50% तक की कमी हो सकती है।

सब्जियों की खेती

❖फूलगोभी में प्रति हे. 200-250 कु. सड़े हुए गोबर की खाद खेती की तैयारी करते समय 40 कि.ग्रा.नाइट्रोजन 60 कि.ग्रा. फास्फेट तथा 40 कि.ग्रा. पोटाश अन्तिम जुताई या रोपाई से पूर्व खेत में अच्छी तरह से मिला दें।

❖शिमला मिर्च टमाटर व गोभी की मध्यवर्गीय किस्मों की बोआई नर्सरी में कर दें।

❖बैंगन में रोपाई के 30 दिन बाद प्रति हे. 180.0 कि.ग्रा. यूरिया की टाप ड्रेसिंग कर दें।

❖मिर्च में रोपाई के 30 दिन बाद प्रति हे. 76-87 कि.ग्रा. यूरिया की टाप ड्रेसिंग कर दें।

❖फूलगोभी में रोपाई के 30 दिन बाद प्रति हे. 87.0 कि.ग्रा. यूरिया की टाप ड्रेसिंग कर दें।

❖भिण्डी की फसल में बोआई के 50 दिन बाद प्रति हे. 76-87 किग्रा. यूरिया की दसूरी व अन्तिम टाप ड्रेसिंग कर दें।

फलों की खेती

❖आम, अमरूद, बेर, आंवला, नींबू, किन्नो, बेल व केला आदि पौधों की उन्नतशील प्रजातियों का रोपण करें।

❖आम तथा अमरूद में फल-मक्खी की रोकथाम हेतु मिथाइल पैराथियान का 1% घोल बनाकर छिड़काव करें।

पशुपालन

❖पशुओं तथा अवशेष पशुओं में गलाघोंटू का टीका लगवायें।

❖नवजात बच्चों को खीस (कालेस्ट्रम) अवश्य पिलायें।

❖गर्भित पशुओं की उचित देखभाल करें तथा पौष्टिक चारा दें।

❖पशुओं को साफ सुथरा रखें व समय समय पर पशुशाला (पशु आवास) को शोधित करते रहें। तथा पानी इकट्ठा न होने दें।

❖मच्छरों से बचाव के लिए पशुशाला के पास नीम की पत्तियों का धुँआ करें।

❖वाह्य परिजीवी के नियन्त्रण हेतु पशुओं तथा आवास को साफ सुथरा रखें और समय समय पर दवा का प्रयोग करें।

अगस्त माह के मुख्य खेती-बाड़ी के कार्य

पौध संरक्षण

❖धान की फसल में खैरा रोग की रोकथाम हेतु जिंक 33% को 8 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से प्रयोग करें इसकी कमी होने पर नई पत्तियों पर पीले से भूरे रंग के धब्बे या धारियां बनने लगती हैं और अत्यधिक प्रकोप होने पर पौधे मरने लगते हैं।

❖धान की फसल में जड़ की सूंडी की रोकथाम हेतु तत्काल खेत का पानी निकाल दें एवं कीटनाशक दवा कार्टप हाइड्रोक्लोराइड दानेदार 8 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से प्रयोग करें।

❖धान में पत्ती लपेटक कीट की रोकथाम के लिए इम्मेक्टिन बेन्जोएट 8.0 ग्राम 15 ली. पानी में घोलकर शाम के समय छिड़काव करें।

❖धान की फसल में दीमक का प्रकोप हो तो 50% क्लोरोपायरीफॉस 50 मि.ली. प्रति 105 ली. पानी में मिलाकर छिड़काव कर खेत में हल्की सिंचाई कर दें।

❖धान की फसल में झुलसा रोग की रोकथाम हेतु तत्काल खेत का पानी निकाल दें एवं कैप्टॉन + हैक्साक्लोनाजोल (ताकत) 30 ग्राम व स्टेप्टोसाइक्लिन 2.5 ग्राम 15 ली. पानी में घोलकर शाम के समय छिड़काव करें। इस रोग का अत्यधिक प्रकोप होने पर धान की पत्तियों पर लाल से भूरे रंग की धारियाँ व धब्बे बनने लगते हैं जिससे पौधों का विकास पूर्णरूप से नहीं हो पाता है और पौधे मरने लगते हैं।

❖बैगन की फसल में फल छेदक का प्रकोप के नियंत्रण हेतु ग्राम- दखलीपुर ब्लॉक- भाग्यनगर के किसान द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र पर आकर कार्यक्रम सहायक, कृषि श्री अंकुर झा के द्वारा इस कीट के नियंत्रण हेतु 12 गंधपाश यंत्र प्रति एकड. का प्रयोग करें। एवं सूड़ी की रोकथाम हेतु कीटनाशक इम्मेक्टिन बेंजोएट 10 ग्राम. प्रति 15 ली. पानी में घोलकर शायंकाल के समय छिड़काव करने की सलाह दी।

❖मक्का, बाजरा, भिण्डी एवं बैंगन में सूडी (तना, फल व पत्ती) की रोकथाम हेतु इम्मेक्टिन बेन्जोएट 8.0 ग्राम 15 ली. पानी में घोलकर शाम के समय छिड़काव करें।

❖मूँग व उर्द में पीला पत्ती मोजैक रोग की रोकथाम हेतु डायाफेन्थोरान 20-25 ग्राम. तथा स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 3.0 ग्राम 15 ली. पानी में घोलकर शाम के समय छिड़काव करें।

गृह विज्ञान

❖बरसात का मौसम शुरू हो गया है कृषक महिलाएँ पोषण वाटिका को तैयार कर सब्जियों के बीज लगा लें। इस समय पौधों में अधिक पानी की आवश्यकता नहीं होती है और कीट के प्रकोप से अवश्य बचाएँ इसके लिए घर की बनी राख का प्रयोग कर सकते हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

समाचार पत्र के आइने में...............

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वारी, औरैया में तिल की जीटी 06 प्रजाति का प्रदर्शन व बीज वितरण

[illegible]

समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अंतर्गत तिल की जीटी 06 प्रजाति का प्रदर्शन

अछल्दा विकास खंड के मिरगावा ग्राम के 25 किसानों को बीज का वितरण किया गया

संवाददाता।

औरैया। दिनांक 14 जुलाई 2022 को चंद्र शेखर आजाद कृषि एवम प्रोद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वारी, औरैया द्वारा समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अंतर्गत तिल की जीटी 06 प्रजाति का प्रदर्शन अछल्दा विकास खंड के मिरगावा ग्राम के 25 किसानों के 25 एकड़ प्रक्षेत्र पर कराया जिसमे आज बीज का वितरण किया गया

प्रदर्शन कार्यक्रम में केंद्र के अध्यक्ष एवम वरिष्ठ वैज्ञानिक डा अनंत कुमार, प्रदर्शन प्रभारी और पशुपालन वैज्ञानिक बृज विकास सिंह, कार्यक्रम सहायक कृषि अंकुर झा उपस्थित रहे।

डॉ. अनंत कुमार जी ने किसानों को तिल की प्राकृतिक विधि से वैज्ञानिक

खेती, अंकुर झा जी ने तिल की फसल में कीट और रोग प्रबंधन तथा बृज विकास सिंह ने जैविक खाद एवम उर्वरकों का प्रयोग विषय पर विस्तार से चर्चा की।

साथ ही चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवम प्रोद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति महोदय डॉ. डी. आर. सिंह एवम निदेशक प्रसार डॉ. ए. के. सिंह की अपेक्षा अनुरूप केंद्र द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु किसानों से अपील की। कार्यक्रम में मिरगवा ग्राम के सत्यप्रकाश , अमित, संजीव, बृजमोहन, मिथिलेश कुमार की साथ साथ 45 किसान और महिला किसान उपस्थित रहे।

किसानों के २५ एकड़ प्रक्षेत्र पर कराने के बाद बीज का वितरण किया

औरैया।चंद्रशेखर आजाद कृषि एवम प्रोद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र ग्वारी, औरैया द्वारा समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अंतर्गत तिल की GT 06 प्रजाति का प्रदर्शन अछल्दा विकास खंड के मिरगावा ग्राम के 25 किसानों के 25 एकड़ प्रक्षेत्र पर कराया गया जिसमे बीज का वितरण किया गया। प्रदर्शन कार्यक्रम में केंद्र के अध्यक्ष एवम वरिष्ठ वैज्ञानिक डा अनंत कुमार, प्रदर्शन प्रभारी और पशुपालन वैज्ञानिक बृज विकास सिंह, कार्यक्रम सहायक कृषि अंकुर झा उपस्थित रहे। डाक्टर अनंत कुमार ने किसानो को तिल की प्राकृतिक विधि से वैज्ञानिक खेती, अंकुर झा जी ने तिल की फसल में कीट और रोग प्रबंधन तथा बृज विकास सिंह ने जैविक खाद एवम उर्वरको का प्रयोग विषय पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवम प्रोद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डाक्टर डी आर सिंह एवम निदेशक प्रसार डाक्टर ए के सिंह की अपेक्षा अनुरूप केंद्र द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु किसानों से अपील की।

हर आंगनबाड़ी में बने पोषण वाटिका

औरैया। कृषि विज्ञान केंद्र ग्वारी में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रीओं को पोषण वाटिका बनाने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। पोषण वाटिका के लिए कृषि विज्ञान केंद्र निःशुल्क बीज वितरित करेगा।

कृषि विज्ञान केंद्र की गृह वैज्ञानिक डा. रश्मि की अध्यक्षता में एक दिवसीय आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री प्रशिक्षण संपन्न हुआ। उन्होंने प्रत्येक आंगनबाड़ी पर एक पोषण वाटिका बनाने पर जोर दिया। कहा कि जिन केन्द्रों पर जगह नहीं है वह सात दिन सात क्यारी के तहत सात क्यारी बना सकते, ताकि प्रतिदिन तरोताजा सब्जियां मिलें। इससे बच्चों को खेतीबाड़ी का ज्ञान व शुद्ध वातावरण भी मिलेगा। आंगनबाड़ी केंद्र पर पोषण वाटिका बनाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा निःशुल्क सब्जियों के बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्य अतिथि सीडीपीओ उमाकांती यादव ने आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रीओं के विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। (संवाद)

आगनवाड़ी कार्यकत्रियों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कराया गया

औरैया। कृषि विज्ञान केंद्र ग्वारी में ग्रह वैज्ञानिक डा. रश्मि यादव द्वारा ब्लॉक अछल्दा में प्रसार कार्यकर्ता आगनवाड़ी कार्यकत्रियों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कराया गया जिसमें आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण वाटिका बनाए जाने के लिए कुछ केंद्र चिन्हित किए गए उसके साथ ही डॉ रश्मि यादव ने बताया कि प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र पर एक पोषण वाटिका अवश्य होनी चाहिए साथ ही उन्होंने केंद्र की साहिकाओ से वार्तालाप की और उन्हें गेहूं में उपलब्ध पोषक तत्व के बारे में जानकारी दी उन्होंने कहा कि यदि आटा और दलिया में पूर्ण पोषक तत्व मौजूद रहे तो कितना बेहतर रहेगा जैसे प्रोटीन, आयरन, जिंक आदि यह सब गेहूं की बायोफोर्टिफाइड व ठ' 187 करण वंदना में है क्योंकि यह हमारी रोजमर्रा की आवश्यकता है हम प्रतिदिन सेब केला अनार नहीं खा सकते क्योंकि हम एक मध्यमवर्गीय परिवार से है वही केंद्र के कीट विशेषज्ञ श्री अंकुर झा ने बताया कि फसल में कीट का रोकथाम कैसे किया जाए और धान में लोगों को कैसे पहचान सकते है साथ ही उसमें रोग नियंत्रण के विभिन्न उपाय भी बताएं जिसमें की महिलाओ ने अपनी विभिन्न समस्याओं को रखा और हल पाया इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर पोषण वाटिका बनाई जाने का था।

25 किसानों को तिल के बीज बांटे गए

फफूंद। कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वारी, औरैया ने अछल्दा ब्लाक के मिरगांवा गांव में तिल की जीटी 06 प्रजाति का प्रदर्शन किया। फिर 25 किसानों के 25 एकड़ के लिए बीज का वितरण किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनंत कुमार ने किसानों को तिल की प्राकृतिक विधि से वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी।

सहायक कृषि अंकुर झा ने तिल की फसल में कीट और रोग प्रबंधन के बारे में बताया। प्रभारी वैज्ञानिक बृज विकास सिंह ने जैविक खाद व उर्वरकों का प्रयोग के विषय पर चर्चा की।

अछल्दा ब्लाक के मिरगांवा गांव में तिल की जीटी 06 प्रजाति का प्रदर्शन किया गया और 25 किसानों के 25 एकड़ के लिए बीज का वितरण किया गया। इस दौरान डॉ. रश्मि यादव व मिरगवा ग्राम के सत्यप्रकाश, अमित, संजीव, बृजमोहन, मिथिलेश कुमार के साथ-साथ पुरुष व महिला किसान मौजूद रहें। (संवाद)

पोषण वाटिका बना लें सब्जी का लाभ

औरैया, संवाददाता। कृषि विज्ञान केंद्र ग्वारी औरैया द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के लिए पोषण वाटिका बनाने पर एक दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान महिलाओं को पोषण वाटिका के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीडीपीओ उमाकांति यादव द्वारा किया गया। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आंगनबाड़ी की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में एमएस मीरा कुमारी भी मौजूद रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही कृषि विज्ञान केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉ रश्मि यादव ने प्रत्येक आंगनबाड़ी पर एक पोषण वाटिका बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें प्रत्येक आंगनबाड़ी में एक-एक पोषण वाटिका बनानी चाहिए।

आगनवाड़ी कार्यकत्रियों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कराया गया

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस औरैया। कृषि विज्ञान केंद्र ग्वारी में ग्रह वैज्ञानिक

डा.रश्मि यादव द्वारा ब्लॉक अछल्दा में प्रसार कार्यकर्ता आगनवाड़ी कार्यकत्रियों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कराया गया जिसमें आंगनवाड़ी केंद्रो पर पोषण वाटिका बनाए जाने के लिए कुछ केंद्र चिन्हित किए गए उसके साथ ही डॉ रश्मि यादव ने बताया कि प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र पर एक पोषण वाटिका अवश्य होनी चाहिए साथ ही उन्होंने केंद्र की साहिकाओ से वार्तालाप की और उन्हें गेहूं में उपलब्ध पोषक तत्व के बारे में जानकारी दी उन्होंने कहा कि यदि आटा और दलिया में पूर्ण पोषक तत्व मौजूद रहे तो कितना बेहतर रहेगा जैसे प्रोटीन, आयरन, जिंक आदि यह सब गेहू की बायोफोर्टिफाइड करण वंदना में है क्योंकि यह हमारी रोजमर्रा की आवश्यकता है हम प्रतिदिन सेब केला अनार नहीं खा सकते क्योंकि हम एक मध्यमवर्गीय परिवार से है वही केंद्र के कीट विशेषज्ञ श्री अंकुर झा ने बताया कि फसल में कीट का रोकथाम कैसे किया जाए और धान में लोगों को कैसे पहचान सकते है साथ ही उसमें रोग नियंत्रण के विभिन्न उपाय भी बताएं जिसमें की महिलाओं ने अपनी विभिन्न समस्याओं को रखा और हल पाया इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर पोषण वाटिका बनाई जाने का था।

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया

प्रसार निदेशालय

(चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय-कानपुर)

सहयोग			
नाम	पदनाम	विषय	मो0 न0
श्री अंकुर झा	कार्यक्रम सहायक (कृषि)	पौध संरक्षण	08858079048
श्री जसवन्त सिंह	कार्यालय अधी०सह लेखाकार	वणिज्य	09897915332
श्री उपेन्द्र कुमार सिंह	कार्यक्रम सहायक	कम्प्यूटर	09453884628
श्री विवेक कुमार सेंगर	स्टेनोग्राफर ग्रेड-III	बी. टेक.- मेकैनिकल	08059719703
श्री नरेन्द्र कुमार पाल	ड्राईवर	-	09997590267
श्री अमृतपाल सिंह	ड्राईवर	-	09592008187
श्री कुलदीप सिंह	स्किल्ड सपोर्टिंग स्टॉफ	-	09557197142

सह-सम्पादक मंडल			
नाम	पदनाम	विषय	मो0 न0
श्री बृज विकाश सिंह	वैज्ञानिक	पशुपालन	09045432191
डा0 इन्द्रपाल सिंह	वैज्ञानिक	उद्यान	09412185577
डा0 रश्मि यादव	वैज्ञानिक	गृह विज्ञान	09473564329

सम्पादक

डा0 अनन्त कुमार

(अध्यक्ष / वरिष्ठ वैज्ञानिक)

कृषि विज्ञान केन्द्र, औरैया (उ०प्र०)

प्रसार निदेशालय

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय-कानपुर

Mob no. - 09760940402; Email –kvkauraiya1@gmail.com

website -http://auraiya.kvk4.in/

आज़ादी का अमृत महोत्सव